

**B.A. 6th Semester (Honours) Examination, 2023 (CBCS)****Subject : Sanskrit****Course : DSE-3****Time: 3 Hours****Full Marks: 60***The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answer in their own words  
as far as practicable.*

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् क विभागः ख विभागश्चेति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमतः परीक्षार्थिभिः सावधानतया स्वपठित एको विभागो निश्चेतव्यः।  
अतः प्रश्नपत्रस्य निर्देशानुसारेण प्रश्नाः समाधेयाः।

এই প্রশ্নপত্রে Group-A এবং Group-B এই দুটি বিভাগ আছে। যে কোনো একটি বিভাগ থেকে উত্তর দিতে হবে।

**Group-A****Fundamentals of Ayurveda**

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु दश प्रश्नाः सुरगिरा देवनागरी लिपिं समाप्रित्य समाधेयाः 2×10=20  
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লেখো।
  - (a) आयुर्वेदस्य स्रष्टा कः? का च तस्य संहिता?  
आयुर्वेदের স্রষ্টা কে? তাঁর রচিত সংহিতার নাম কী?
  - (b) “वृक्षायुर्वेदः” इति ग्रन्थस्य रचयिता कः? तेन कृतः आयुर्वेदविषयः अन्यः ग्रन्थः कः?  
‘वृक्षायुर्वेदः’ এই গ্রন্থের রচয়িতা কে? তাঁর রচিত आयुर्वेद বিষয়ক অন্য গ্রন্থটি কী?
  - (c) ‘National Institute of Ayurveda’ इति प्रतिष्ठानं कुत्र वर्तते? आयुर्वेदविषयक केन्द्रीयमन्त्रालयस्य नाम किम्?  
‘National Institute of Ayurveda’ কোথায় অবস্থিত? आयुर्वेद বিষয়ক কেন্দ্রীয় মন্ত্রালয়ের নাম কী?
  - (d) ‘भूतविद्यातन्त्रम्’ इति अङ्गस्य व्यवहारिकः प्रयोगः आयुर्वेदे कुत्र भवति? कौमारभृत्यतन्त्र अधिकृत्य कस्यचन ग्रन्थस्य नाम लिख्यताम्।  
ভূতবিদ্যাতন্ত্র এই অঙ্গের প্রয়োগ आयुर्वেदे কোন চিকিৎসায় হয়? কৌমারভৃত্যতন্ত্র বিষয়ক একটি গ্রন্থের নাম লেখো।
  - (e) आयुर्वेदः कस्य च वेदस्य उपाङ्गरूपेण स्वीकृतः?  
आयुर्वेद कोन वेदों के उपाङ्गरूप में स्वीकृत?
  - (f) ‘अगदतन्त्रम्’ इत्यत्र अगदः शब्दस्य कोऽर्थः?  
‘अगदतन्त्रे’ उल्लिखित ‘अगद’ शब्दों के अर्थ कौ?
  - (g) ‘चर्मप्रतिस्थापनम्’ (Plastic Surgery) इति विषयस्य उल्लेखः कुत्र प्राप्यते? ‘अष्टाङ्गहृदयसंहिता’ इति ग्रन्थस्य रचनाकारः कः?  
‘चर्मप्रतिस्थापनविद्या’ (Plastic Surgery) उल्लेख कोथায় देखा যায়? अष्टাঙ্গহৃদয়সংহিতার রচয়িতা কে?
  - (h) ‘धन्वन्तरिजयन्ती’ अधुना केन नाम्ना परिचितः? देवभिषजौ कौ?  
‘धन्वन्तरि जयन्ती’ अधुना कौ नामे पालित है? ‘देवभिषक्’ रूपे कारा परिचित?

- (i) 'তৈত্তিরীয়োপনিষদ', কেন বেদে সহ সম্বন্ধাঃ? वारुणिः इत्यस्य कोऽर्थः? तैत्तिरीय उपनिषद কোন বেদের সাথে সম্বন্ধ? वारुणिः शब्दের অর্থ কী?
- (j) आत्मनः कियन्तः कोशाः? के च ते? आत्मार आच्छादनकारी कोश कयटि ओ की की?
- (k) ब्रह्मोपलब्धेः कति द्वाराणि? कानि च तानि? ब्रह्मोपलब्धि र द्वार कयटि ओ की की?
- (l) तैत्तिरीयोपनिषदि 'अन्नं' इति पदस्य कोऽर्थः? अत्र 'व्याजानात्' इति पदस्य कोऽर्थः? तैत्तिरीय उपनिषदे 'अन्नं' पदर अर्थ की? एखाने 'व्याजानात्' पदर अर्थ की?
- (m) प्रथमोपासनया भृगोः का उपलब्धिः जाता? प्रथम उपासना करे भृगुर की उपलब्धि हयैछिल?
- (n) पुत्रं भृगुं प्रति वरुणस्य द्वितीयोपदेशः कः आसीत्? पुत्र भृगुर प्रति वरुणर द्वितीय उपदेश की छिल?
- (o) आयुर्वेदानुसारं पञ्चकर्म किं? आयुर्वेदानुसारे पञ्चकर्म की?

2. अधः प्रदत्तेषु प्रश्नेषु चतुर्णामुत्तरं विधेयम्। एतेषु यत् किञ्चन द्वयम् सुरागिरा प्रदेयम्। 5×4=20  
निम्ने प्रदत्त प्रश्नगुलिर मध्ये चारटिर उত্তर करणीय। एदर मध्ये ये कोनो दूटिर उত্তर संस्कृत भाषाय दिते हवे।

- (a) आयुषाब्दस्य कोऽर्थः? कथम् आयुर्वेदशास्त्रस्य उत्पत्तिः अभवत्? 'आयु' शब्दर अर्थ की? केन आयुर्वेद शास्त्रर उत्पत्ति घटेछिल?
- (b) धन्वन्तरिः कः वभूव? आयुर्वेदस्येतिहासे तस्य अवदानं किमासीत्? धन्वन्तरि के छिलेन? आयुर्वेदर इतिहासे तार अवदान की छिल?
- (c) आयुर्वेदशास्त्रे वागभट्टस्य अवदानं किमासीत्? आयुर्वेदशास्त्रे वागभट्टर अवदान कि छिल?
- (d) आयुर्वेदशास्त्रस्य क्रमावक्षयस्य कारणानि आलोच्यताम्? आयुर्वेदशास्त्रर क्रम अवक्षयर कारणसमूह आलोचना करो।
- (e) व्याख्या कार्याः (व्याख्या लेखो)ः अन्नं ब्रह्मेति व्याजानात् अथवा, प्राणेन जातानि जीवन्ति।
- (f) भृगुवल्ल्याम् उल्लिखितयाः आख्यायिकायाः किं तात्पर्यम्? भृगुवल्लीते उल्लिखित आख्यायिकार तात्पर्य की?

3. अधोलिखितेषु किञ्चन प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 10×2=20  
निम्नलिखित प्रश्नगुलिर मध्ये दूटि प्रश्नर उত্তर लेखो।

- (a) आयुर्वेदः कथम् अष्टाङ्गायुर्वेदः इतिनाम्ना अभिधीयते? तानि अङ्गानि अधिकृत्य नातिदीर्घं वर्णनं क्रियताम्। आयुर्वेदके अष्टाङ्गायुर्वेद नामे केन अभिहित करा हय? सेइ अङ्गगुलि सम्पर्के एकटि नातिदीर्घ वर्णना दाओ।
- (b) आयुर्वेदे बौद्धप्रभावः आलोचनीयः। आयुर्वेदे बौद्धप्रभाव आलोचना करो।
- (c) टीकाद्वयं लिख्यताम्। (दूटि टीका लेखो)ः 5×2=10  
(i) जीवकः (ii) शार्ङ्गाधरः (iii) चिकित्सासार संग्रहः
- (d) 'स तपोऽतप्यत' — कः तपश्चकारः? तस्य तपस्यालब्धा ब्रह्मोपलब्धिः वर्ण्यताम्। के तपस्या करैछिलेन? तार तपस्यालब्ध ब्रह्मोपलब्धि वर्णना करो।

## Group-B

## Environmental Awareness in Sanskrit

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु दशविधाः प्रश्नाः सुरगिरा देवनागरीलिपिं समाप्रित्य समाधेयाः। 2×10=20  
निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লেখো।
- (a) किमर्थम् अतिभोजनम् वर्जयेत्?  
অতিভোজন কেন বর্জন করা উচিত?
- (b) उपपातकं कतिविधम्? तेषां नामानि लिख्यन्ताम्।  
উপপাতক কতগুলি? তাদের নামগুলি লেখো।
- (c) अप्सु अनिक्षिप्तानि द्रव्याणि कानि?  
জলে কোন কোন দ্রব্য নিক্ষেপ নিষিদ্ধ?
- (d) 'कौशिलव्यम्' इत्यस्य कोऽर्थः? 'गृहसंवेशकः' इतस्य कोऽर्थः?  
'कौशिलव्यम्' पदं अर्थः की? 'गृहसंवेशकः' पदं अर्थः की?
- (e) 'भद्रं भद्रमिति ब्रूयात्' — श्लोकांशस्य किं तात्पर्यम्?  
'भद्रं भद्रमिति ब्रूयात्' — श्लोकांशটির তাৎপর্য কী?
- (f) मनुसंहितायाः रचनाकालः लेख्यः। अस्य कति अध्यायाः विद्यन्ते?  
মনুসংহিতার রচনাকাল লেখ। এতে কটি অধ্যায় আছে?
- (g) कदा भोजनं न करणीयम्?  
কখন ভোজন করা উচিত নয়?
- (h) मनुना कतिविधं दण्डं निरूपितम्?  
মনু কয়টি দণ্ড নির্ধারণ করেছেন?
- (i) 'परिखानाञ्च पूरकं' — उक्तेः किं तात्पर्यम्?  
'परिखानाञ्च पूरकं' — উক্তিটির তাৎপর্য কী?
- (j) 'आद्रर्पादस्तु भुञ्जीत' — वचनस्य तात्पर्यम् किम्?  
'आद्रर्पादस्तु भुञ्जीत' — বচনটির তাৎপর্য কী?
- (k) वराहपुराणस्य कः अंशः अस्माकं पाठ्यांशरूपेण निर्दिष्टः?  
বরাহপুরাণের কোন অংশ আমাদের পাঠ্যাংশরূপে নির্দিষ্ট হয়েছে?
- (l) के नरकं न गच्छन्ति?  
করা নরকে গমন করে না?
- (m) याज्ञवल्क्यसंहितायाः कः अंशः अस्माकं पाठ्यांशरूपेण निर्दिष्टः?  
যাজ্ঞবল্ক্যসংহিতার কোন অংশ আমাদের পাঠ্যাংশরূপে নির্দিষ্ট?
- (n) कदा विचारसिद्धान्तः नृपेन प्रत्याहृतः भवति?  
কখন বিচারকের সিদ্ধান্ত রাজা প্রত্যাহার করবেন?
- (o) याज्ञवल्क्यसंहितायाः 'व्यवहारः' इति शब्दस्य काऽर्थः?  
যাজ্ঞবল্ক্যসংহিতায় 'ব্যবহার' শব্দের অর্থ কী?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु चतुर्णामुत्तरं विधेयम्। एतेषु यत् किञ्चन् द्वितयम् सुरागिरा अवश्यमेव प्रदेयम्। 5×4=20  
निम्ने प्रदत्त प्रश्नগুলির মধ্যে চারটির উত্তর দিতে হবে। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় করতে হবে।
- (a) 'शुष्कठेरं विवादञ्च न कुर्यात्' — श्लोकांशस्य तात्पर्यं किम्?  
'शुष्कठेरं विवादञ्च न कुर्यात्' — श्लोकটির তাৎপর্য কী?
- (b) एकतरस्य श्लोकस्य सुरागिरा व्याख्या कार्या।  
সংস্কৃত ভাষায় একটি শ্লোকের ব্যাখ্যা করো।
- (i) केशग्रहान् प्रहारांश्च शिरस्येतान् विवर्जयेत्।  
শিরঃ স্নাতশ্চ তৈলেন নাড়ুং কিञ्चिदपि स्पृशेत्॥  
অথবা
- (ii) सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात् सत्यमप्रियम्।  
প্রিয়ञ্চ নানৃতং ব্রূয়াদেধ ধর্মঃ সনাতনঃ॥
- (c) मनुसंहिता इत्यस्मिन् धर्मशास्त्रग्रन्थे आचार्येण मनुना चतुर्थे अध्याये वासकरणविधाने किमुपदिष्टम्?  
মনুসংহিতা এই ধর্মশাস্ত্রের চতুর্থ অধ্যায়ে আচার্য মনু বসবাস করার নিমিত্ত যে উপদেশ দিয়েছেন তা লেখ।
- (d) कथं फलपुष्पसमन्विताः वृक्षाः सुपुत्रेण सह तुल्याः?  
ফলপুষ্পসমন্বিত বৃক্ষ কেন সুপুত্রের সাথে তুলনীয়?
- (e) 'व्यवहारो न सिद्ध्यति' — केषां व्यवहारः कथं न सिद्ध्यति?  
'व्यवहारो न सिद्ध्यति' — कাদের व्यवहारः केन सिद्धः इति ना?
- (f) विचारकाणां बलाबलविषये याज्ञवल्क्यसंहितासु किं विधानं निर्दिष्टम्?  
বিচারকদের বলাবলবিষয়ে যাঞ্জবল্ক্যসংহিতায় কী বিধান নির্দিষ্ট হয়েছে?

3. अधोलिखितेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्।

10×2=20

প্রশ্নগুলির মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

- (a) अन्नग्रहणे स्वल्पाहार प्रसङ्गे च किं विधानं मनुना निर्दिष्टं? तदेव मनुसंहितायाः द्वितीयमध्यायम् अनुसृत्य लिख्यताम्।  
অন্নগ্রহণে স্বল্পাহার প্রসঙ্গে মনু কী নির্দেশ দিয়েছেন? মনুসংহিতার দ্বিতীয় অধ্যায় অবলম্বনে তা লেখো।
- (b) भोजनविषये मनुसंहितायाः किं विधानं निर्दिष्टम्? कीदृशं जलं पेयम्? मनुसंहितोक्तदिशा लिख्यताम्।  
ভোজনবিষয়ে মনুসংহিতার কী বিধান নির্দিষ্ট হয়েছে? কেমন জল পান করা উচিত? মনুসংহিতা অনুসারে আলোচনা করো।
- (c) वृक्षसंरक्षणविषये बराहपुराणे कीदृशं विधानम् उपदिष्टं? तत् संक्षेपेन विव्रियताम्।  
বৃক্ষ সংরক্ষণ বিষয়ে বরাহপুরাণে কী বিধান আছে? তা সংক্ষেপে লেখো।
- (d) याज्ञवल्क्यसंहितायाः व्यवहाराध्याये वर्णितां विचारव्यवस्थाम् अवलम्ब्य कश्चन प्रबन्धः लिख्यताम्।  
যাজ্ঞবল্ক্যসংহিতার ব্যবহারাধ্যায়ে বর্ণিত বিচারব্যবস্থা বিষয়ে একটি প্রবন্ধ লেখো?